ED-203

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - III

आधुनिक काव्य - I
(द्विवेदी युगीन एवं छायावाद काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) उस रूदन्ती विरहिणी के रूदन-रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह-विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के ?

अथवा

सखि, मैं भव-कानन में निकली
बनके इनकी वह एक कली।
खिलते-खिलते जिससे मिलने
उड़ आ पहुँचा हिल हेम-अली।
मुसकाकर अलि, लिया उसको

बत लौं यह कौन बयार चली
'पथ देखा जियो' यह गूँज यहाँ
किस ओर गया वह छोड़ छली ?

(ख) इस दुखमय जीवन का प्रकाश!
नभ नील लता की डालों में उलझा अपने सुख से हताश,
कलियाँ जिसको मैं समझ रहा वे काँटे बिखरे आस-पास
कितना बीहड़ पथ चला और पड़ रहा कहीं थककर नितांत
उन्मुक्त शिखर हँसते मुझ पर रोता मैं निर्वासित अशांत।

अथवा

स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर-फिर संशय
रह-रह उठता जग-जीवन में रावण-जय-भय,
जो नहीं हुआ आज तक हृदय रिपु-दभ्य-श्रान्त,
एक भी अयुत-लक्ष में रहा जो दुराक्रांत,
कल लड़ने को हो रहा विकल वह बार-बार,
असमर्थ मानता मन उद्यत हो हार-हार।

(ग) धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित कर न सका।
जाना तो अर्थागमोपाय,
पर रहा सदा सकुचित-काय
लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा मैं स्वार्थ समर।

अथवा

पथ को न मलिन करता आना,
पद-चिन्ह न दे जाता जाना,
सुधि मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अन्त खिली
विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना, इतिहास यही,
उमड़ी कल थी मिट आज चली।

2. राष्ट्रकवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त जी का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

साकेत के नवम् सर्ग में करुणा और लोकमंगल की भावना की विवेचना कीजिए।

3. कामायनी में बुद्धिवाद के विकास-क्रम को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

कामायनी छायावाद की उच्च कोटि की रचना है। समझाइए।

4. ''निराला के काव्य में विद्रोह का मुखर स्वर है तो दूसरी ओर मानवीय नियति और विवशताओं की करुण रागिनी भी।'' इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

महादेवी वर्मा की काव्य-कला की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) श्रीधर पाठक का साहित्य-संसार

(*ii*) 'साकेत' की नायिका कौन हैं ?

(*iii*) 'आकाशदीप' किसकी रचना है?

(*iv*) जयशंकर प्रसाद की भाषा की प्रमुख विशेषता।

(*v*) 'स्पर्धा में जो उत्तम ठहरें वे रह जाते।' यह पंक्ति कामायनी के किस सर्ग की है?

(*vi*) निराला जी के किन्हीं तीन रचनाओं के नाम बताइए।

(*vii*) 'राम की शक्ति पूजा' किस प्रकार की रचना है?

(*viii*) मुकुटधर पाण्डेय की रचनाएँ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** अति लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) 'हम कौन थे? क्या हो गए? क्या होंगे अभी?' किस कवि की पंक्ति है?

(*ii*) जयशंकर प्रसाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(*iii*) किन्हीं दो छायावादी कवियों के नाम बताइए।

(*iv*) कामायनी में कितने सर्ग हैं?

(*v*) 'तुलसीदास' किस कवि की रचना है?

(*vi*) 'रूपसी तेरा केश-पाश' किसकी रचना है?

(*vii*) 'ग्राम्या' के रचयिता कौन हैं?

(*viii*) ''छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।'' किसने कहा?

(*ix*) छायावाद की काल-सीमा बताइए।

(*x*) हरिऔध जी के दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(*xi*) 'जूही की कली' किसकी काव्य रचना है?

(*xii*) छायावाद को छायावाद नाम किसने दिया?